विविधता में एकता

भारत हमारी माता है, मेरी माँ ने बताया है;
अनेकता में एकता है, यही मुझे समझा है;
विविध हमारी ताकत है, यहीं हमारी शान है;
सतरंगी मेरा देश है, तिरंगा हमारी पहचान है।

अंग्रेजी को मरा भगाने में, सहस का दृश्य दिखाया था;
भारत माँ के खातिर, फाँसी के लिया शीश झुकाया था;
सीना उनका चौड़ा था, मौत से उनको डर ना था;
कफ़न के लिया भी क्रांतिकारीयो ने चुना, नारंगी रंग का चोला था।

देश भक्ति का जनून सवार, एक हो कर लड़ने की ठानी थी;
मौत को देख कर भी, आखो में सबके रूहानी थी;
जीवन के आखिरी चोर तक, संग इंकलाब का नारा था;
कश्मीर से कन्या कुमारी तक, एकता से खून बहाया था।

अल्लाह, वाहेगुरु, राम एक ही भगवान के भक्त हैं हम;
एक सौ पिचानवे देशो में, अलग की चमकते हैं;
भिन-भिन राज्यो में मनते, अलग अलग त्योहर;
आज भी हम भारतीयों को है, एक दूजे से प्यार।

मन्नत पंकुल अरनेजा
कक्षा 7
डीएलएफ पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद